XX-3516 Seat No._____

Second Year B. A. (External) Examination

April / May – 2003

Hindi (Main) : Paper - IV (Prose)

Time : **3** Hours] [Total Marks :**100**

सूचना : सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं ।

१ 'रतिनाथ की चाची', विधवा नारी की वेदना को व्यक्त करनेवाला चरित्र–प्रधान उपन्यास है''– इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

१ टिप्पणी लिखिए :

(अ) 'रतिनाथ' का चरित्र

(ब) 'रतिनाथ की चाची' शीर्षक ।

२ उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'रतिनाथ की चाची' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए ।

अथवा

२ टिप्पणी लिखिए :

(अ) उमानाथ (ब) गौरी की माँ ।

३ 'सुदामा के चावल' में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

३ टिप्पणी लिखिए :

(अ) 'निंदा रस' निबन्ध की विशेषताएँ

(ब) 'दल बदलने वाला' में व्यक्त राजनीति की तस्वीर ।

४ 'हरिशंकर परसाई एक सफल व्यंग्यकार हैं'–इस कथन को सिद्ध कीजिए ।

अथवा

४ टिप्पणी लिखिए :

(अ) 'वाक आउट ! स्लीप आउट ! ईट आउट' में व्यक्त भाव ।

(ब) 'गेहूँ का सुख'में व्यक्त यथार्थधर्मिता ।

५ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) कर्ज, घावका निशान और बदनामी ये तीनों ऐसी बाते हैं, जो आहिस्ते आहिस्ते मिट जाती है ।''

अथवा

(अ) ''बड़ी जातवालों की तुम्हारी यह बिरादरी बडी मलिच्छ, बड़ी निष्ठुर होती है मलिकाइन ।''

(ब) मेरा विश्वास है कि राजा को साहसी और लुटेरा होना चाहिए, तभी वह राज्य का विस्तार कर सकता है । ये दोनों गुण मुझमें हैं, इसलिए मैं ही राजगद्दी का अधिकारी हूँ ।

अथवा

(ब) ज्यों–ज्यों कर्म क्षीण होता है, त्यों त्यों निंदा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है ।